Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to give pucca house to slum dwellers in Delhi.

श्री रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली) : माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम माननीय प्रधान मंत्री और गृह मंत्री, हमें यह सौभाग्य प्राप्त होगा कि 17वीं लोक सभा के अंदर इतिहास के पन्नों में हमारा भी जीवन सार्थक साबित होगा, जो निर्णय हुआ है । दिल्ली राजधानी में लगभग 40 लाख लोग झुग्गी-बस्ती में रहते हैं, जिनमें 20 लाख के करीब वोटर्स हैं । जे.जे. कलस्टर में वे नारकीय जीवन जी रहे हैं । साढ़े चार साल पहले एक ऐसा ...* मुख्य मंत्री बन गया, जिसने नारा दिया था कि बिजली हाफ, पानी माफ । गरीब लोग यह समझ नहीं पाए कि झुग्गी-झोपड़ी में लोग पहले भी पानी का बिल नहीं देते थे और अनऑथोराइज्ड कालोनीज में भी नहीं देते थे, क्योंकि न बिजली की सप्लाई है, न मीटर है । पानी के टैंकरों से पानी के लिए माता-बहनें दर-दर की ठोकरें खाती हैं । वे नारकीय जीवन जी रहे हैं । उन लोगों को कहीं न कहीं सरकार द्वारा प्रधान मंत्री आवास योजना के अंदर पूरे देश में सवा डेढ़ करोड़ परिवारों को मकान दिए गए, लेकिन दिल्ली में उस मुख्य मंत्री के कारण नरेला में जो मकान बने हुए हैं, उन झुग्गीवासियों को वे मकान नहीं दिए गए । मैं आपके माध्यम से एक निवेदन करना चाहता हूँ कि डूसिब, दिल्ली सरकार उसमें काम करती है, झुग्गियों का बड़ा सेंसेटिव मामला है । दिल्ली अर्बन शेल्टर इंप्रूवमेंट बोर्ड (डूसिब) जो दिल्ली सरकार के अधीन आता है, न तो एमसीडी का साढ़े 4 करोड़ रुपये दे रहे हैं, जिससे सफाई व्यवस्था हो जाए । पानी की सप्लाई नहीं होती है । मेरा आपके माध्यम से एक निवेदन है कि भारत सरकार उनको आदेश करे कि उन लोगों को झुग्गियों के बदले में, क्योंकि जब वे 20 साल पहले आए थे, उनके पास एक कमरा था, अब उन्होंने दो-तीन कमरे बना लिए । उनके तीन बेटे हो गए, अब वे गरीब लोग कहाँ बदले में मकान लेंगे तो दो कमरे 10 बाय 10 के और एक ड्राइंग रूम, उनके लिए ऐसी व्यवस्था हो और उन गरीब लोगों को नारकीय जीवन जीने से रोका जाए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।